International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 7.328
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol.10 No.4 March – April 2023

# "Impact Of Information Technology On Rural Women Empowerment : A Sociological Study"

## ग्रामीण महिला सशक्तिकरण का सूचना प्रौद्योगिकी पर प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

**अरविन्द कुमार [1], डॉ० सीताराम सिंह[2]**

[1]शोध छात्र प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज बाराबंकी, उ०प्र०

[2] समाजशास्त्र विभाग संबद्ध - डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ०प्र०

***Corresponding Author* - अरविन्द कुमार**

Email - arvisharma1111@gmail.com

**DOI- 10.5281/zenodo.7791039**

**शोध सार –**

सूचना प्रौद्योगिकी, संचार साधन और समाचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों ने घर के अंदर बैठी महिलाओं को भी प्रोत्साहित किया। देश की आधी आबादी में आए इस बदलाव से विकास की गति तेज हो रही है खेत में हल जोतने से लेकर चांद-सितारों का तिलिस्म तोड़ने तक, सड़क किनारे बैठकर पत्थर तोड़ने से लेकर रोजगार के नए क्षेत्रों की तलाश तक, आंगन में बैठकर चूल्हे-चौके की झंझटो से लेकर वैश्विक की गुत्थियाँ सुलझाने तक महिलाएं आज हर क्षेत्र में हैं। भारतीय समाज में स्त्री एक मौन उपस्थिति थी लेकिन, आज सूचना प्रौद्योगिकी की अहम बदलाव ने भारतीय संस्कृति की दुनिया में स्त्री को बेहद प्रखर उपस्थिति बना दिया है। आज परंपराओं की जकड़न और पश्चिमीकरण की आंधी के बीच संस्कृति के क्षेत्र में कुछ भी मौलिक हो रहा है तो उसका श्रेय महिलाओं को जाता है देशभर में फैली विविध कला संस्कृति की परंपराओं को गहराई से परखने और उस पर आलोचनात्मक विमर्श करने में कपिला वात्सायन, महाश्वेता देवी, कुर्रतुल ऐन हैदर, अरुंधति राय, कृष्ण सोबती आदि महिलाओं की भूमिका एक समाजशास्त्री की भूमिका है जिन्होंने अनुसूचित जातियों, आदिवासियों, दलित महिलाओं आदि के ज्वलंत प्रश्नों का हल खोजने के लिए साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से आंदोलनों को निष्कर्ष तक पहुंचाया। आज जनसंचार के माध्यम से लोगों में या चेतना पैदा हो गई है कि यदि किसी देश की महिलाएं अशिक्षित बनी तो उस देश का विकास संभव नहीं पता ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को शिक्षित बनाने के प्रति लोगों में रुझान बड़ी है महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने में भी सूचना तकनीक माध्यम काफी कारगर साबित हुए, जैसे ग्रामीण महिलाओं के लिए रेडियो पर जननी कार्यक्रम तथा दूरदर्शन पर कल्याण जैसे कार्यक्रम से ग्रामीण महिलाओं को अनेक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागृति जगाने में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है शिक्षा के विस्तारीकरण के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी अत्यंत प्रभावशाली तकनीक के रूप में स्थापित हो चुकी है इस प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों के माध्यम से आज ग्रामीण जीवन के स्तर उन्नयन के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं ग्रामीण क्षेत्र में महिला शिक्षा के प्रचार- प्रसार प्राथमिक माध्यमिक स्तर पर शिक्षा की उपलब्धता में वृद्धि करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर कार्य बल का गठन किया गया इस प्रतियोगिता में सूचना संचार की सबसे बड़ी बाधा जो अब तक ग्रामीण विकास विशेषकर महिला विकास के मामले में सामने आते थे, को लगभग दूरी कम कर दिया है।

**मुख्य शब्द -** ग्रामीण, महिला, सशक्तिकरण, सूचना प्रौद्योगिकी, इंटरनेट, डिजिटल आदि।

**प्रस्तावना-**

भारत को सक्षम बनाने महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्त्री शक्ति के कारगर इस्तेमाल से देश की आर्थिक समृद्धि को तेजी से बढ़ाया जा सकता है महिलाओं को सशक्त बनाने का अर्थ है समूचे समाज को सामर्थ बनाना भारत में स्त्री सशक्तिकरण के चार प्रमुख आधार शिक्ष, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक परिस्थितियां पहले तीन बातों के लिए सरकारी कार्यक्रम मददगार हो सकते हैं पर चौथा आधारित सामाजिक- सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर निर्भर करता है अलबत्ता शिक्षा आधुनिक संस्कृति में आ रहे परिवर्तन खासतौर से बदलती तकनीक भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। तेजी से बदलती दुनिया में स्त्री सशक्तिकरण की आवश्यकता सर्वोपरि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार ने समयसमय पर कई - में भी महिला 2020 योजनाएं बनाई राष्ट्रीय शिक्षा नीति सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण स्थान दिया गयाहै ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करना देश को सफल करने के सामान है। गांव का तभी विकास होगा जब ग्रामीण महिला की आजीविका और बेहतर जिंदगी के लिए शहरों में ना जाकर अपनी ही जन्म भूमि को कर्मभूमि बनाकर उसके विकास के लिए कार्य करेगा। सूचना प्रौद्योगिकी ने ग्रामीण क्षेत्रों में

में सुधार की सुगमता प्रदान की ह "जीवन की गुणवत्ता"ै तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने के अलावा डिजिटल बुनियादी ढांचे ने अच्छे वेतन वाली नौकरियों को आकृष्ट करने में मदद की है और दूर से काम करने की भी सुविधा प्रदान की है जिससे गांव से महिलाओं की समस्या के निराकरण में मदद मिलेगी ग्रामीण महिलाओं ने बाजार की जानकारी और वैश्विक बाजारों तक आसान पहुंच के माध्यम से उपलब्ध आर्थिक गतिविधियों से लाभ उठाया है यह समानांतर प्रक्रियाएं मूल्य निर्धारण की उचित स्पर्धा के लिए एक माकूल परिदृश्य प्रदान करने में मदद करती है इंटरनेट पैक का संभवतः सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव ग्रामीण उद्यमिता को प्रदान किए जाने वाला प्रोत्साहन है नई तकनीक के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नए अवसर पैदा कर रही है जो कभी नहीं थे।

स्वतंत्रता के बाद से ग्रामीण शहरी भारत में हुए विकास के विभिन्न पहलुओं से लगभग अछूता रहा है ग्रामीण इलाकों से सुख सुविधाएं तो अवश्य पहुंचे लेकिन वे शहरी भारत की अपेक्षा बहुत कम थी हालांकि हालिया समय में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त विकास हुआ है क्योंकि ग्रामीण आवास स्वच्छता और कल्याण में सुधार लाने के उद्देश्य से बनाई गई सरकार की नीतियों ने इस परिदृश्य को बदलने में योगदान दिया है भारत की आबादी का साल 25 प्रतिशत अधिक हिस्सा 50 तक भारत की आधी आबादी 2050 से कम उम्र का है ग्रामीण भारत मेंहोने की संभावना है और कुल कार्यबल के %70जितने बड़े भाग का ग्रामीण भारत से आने के कारण या व्यापक रूप से माना जाता है कि देश का समग्र विकास ग्रामीण भारत की विकास की समांतर चलेगा सरकार ने ग्रामीण विकास पर लक्षित नीतियों में ग्रामीण महिलाओं को शहरों में प्रवास किए बिना रोजगार प्रदान करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया है मसलन दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना वर्ष की आयु वर्ग 35 से 15 की महिलाओं को लक्षित करती है इस योजना के लिए 56सौ करोड़ की राशि प्रदान की गई है जो युवाओं और महिलाओं की रोजगार योग्यता बढ़ाने में मदद करेगी। यह योजना 28 राज्यों औरकेंद्र- शासित प्रदेशों में 7426 जिलों और 689 युवा ब्लॉकों में चलाई जा रही है जिससे ग्रामीणओं का जीवन बदल रहा है पर 1575 भागीदारों द्वारा लगभग 717 10 योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं अब तक.8 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है और लगभग 6.3 लाख युवाओं को रोजगार प्रदान किए जा चुके हैं।

सदियों से हो रहे हैं महिलाओं पर अत्याचार, शोषण, शोषण, दासत्व युग से बाहर एक स्वच्छंद वातावरण उनको जीवन जीने का अवसर प्रदान करने व पुरुषों की समान अधिकार दिए जाने ताकि वे कंधे से कंधा मिलाकर चल सके। अगर देश का विकास करना है तो देश की महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है तभी भारत देश को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में खड़े का सपना साकार हो सकता है यदि राष्ट्र को समृद्धि - संपन्न होना है और विश्व गुरु बनना है तो उसमें महिलाओं की सहभागिता और महिला सशक्तिकरण पर बल देना होगा।

**ग्रामीण महिला सशक्तिकरण में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव :**

ग्रामीण महिलाओं की क्षमता को विकसित करने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के दीर्घकालिक उद्देश्य को गति प्रदान करने के लिए मंत्र जनजातीय कार्य मंत्रालय ने फेसबुक के साथ मिलकर डिजिटल मोड के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को सलाह प्रदान करने के लिए ऑनलाइन यदि लीडर्स) गोल (कार्यक्रम आरंभ किया गया है ग्रामीण महिलाओं को उद्यम संबंधी क्षमता को बढ़ाने के लिए समर्पित कार्यक्रम तहत बागवानी खाद्य प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन, आदिवासी कला एवं संस्कृति औषधि जड़ी बूटियों जैसे- क्षेत्रों पर प्रमुख रूप से बल दिया जाता है इसके अतिरिक्त ग्रामीण महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रम जैसे नई रोशनी से जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाए गया है और जिनकी परिवर्तन लाने में अहम भूमिका होती है ग्रामीण समुदायों में समावेशी और सतत विकास में योगदान मिलता है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के सामान विकास के लिए सरकार ने तक सभी इच्छुक ग्रामीण परिवारों को 2022 सौभाग्य और उज्जवला योजना के तहत बिजली और खाना पकाने का स्वच्छ इंधन प्रदान करने का आश्वासन दिया है 2019 प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अपने दूसरे चरण से 2020 और 20 से के दौरान 2022पात्र लाभार्थियों को शौचालय बिजली और एलपीजी कनेक्शन जैसी सुविधाओं के साथ 1.95 करोड़ घर प्रदान करेगी प्रत्येक गांव में स्थाई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन का विस्तार किया जाएगा इन पहलुओं से ग्रामीण जीवन स्तर में आमूल सुधार आ रहा है जिससे महिलाओं के लिए संभावनाएं प्रबल हुई हैं।

**शहरी और ग्रामीण विभाजन में बदलाव :**

सामाजिक कल्याण कार्यक्रम के प्रयासों के अलावा सरकार की डिजिटल इंडिया अभियान ने जिसका उद्देश्य पूरे देश को डिजिटल रूप से जोड़ना है ग्रामीण भारत को शहरी भारत के संकट लाने में बड़ा योगदान दिया है इंटरनेट आज देश के शहरी और ग्रामीण हिस्सों के बीच सेतु बनाने के साथसाथ ग्रामीण विकास के लिए उत्प्रेरक बन गया है - भारत विचार शिखर सम्मेलन में अपने मुख्य भाषा में भूमि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत को अवसरों की की उमा देते हुए उल्लेख किया की शहरी लोगों की तुलना में ग्रामीण इंटरनेट उपयोगकर्ता अधिक है इस अभियान ने इंटरनेट कीपैड बढ़ाई है जो अपेक्षाकृत हाल ही में हुआ है जिसके चलते ग्रामीण घरों के लिए अपार लाभ की संभावनाएं पैदा हुई।

इस बीच डिजिटल प्रतिनिधि ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार की क्षमता प्रदान की है उदाहरण के तौर पर ऑनलाइन बाजारों भोजन के घर पहुंचने की सुविधा निरंतर मनोरंजन तक पहुंचने शहरी और ग्रामीण आबादी के अनुभव के बीच अंतर को कम कर दिया

तकनीकी पार्षद की तंत्रों को सक्षम करने के अलावा डिजिटल बुनियादी ढांचे ने अच्छे वेतन वाली नौकरियों को आकृष्ट करने में मदद की है और दूर से काम करने की भी सुविधा प्रदान की है जिससे गांव से प्रदूषण की समस्या के निराकरण में मदद मिलेगी। ग्रामीण महिलाओं ने बाजार की जानकारी वैश्विक बाजारों तक आसान पहुंच के माध्यम से उपलब्ध आर्थिक गतिविधियों से लाभ उठाया है यह समानांतर प्रक्रियाएं मूल्य निर्धारण उचित स्पर्धा के लिए एक माकूल परिदृश्य प्रदान करने में मदद करती है।

**साहित्यिक पुनरावलोकन-**

*** पिल्लाई और शांत(2008) , "** आईसीटी एंड एंपावरमेंट प्रमोशन अमंग पूअर: हाव केन वी मेक इट हैपन? सम रिफ्लेक्शन ऑन केरलाज एक्सपीरियंस " - सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के फलस्वरूप गरीब महिलाओं में रोजगार को कैसे प्रोत्साहन मिला है, इसे'केरला' के कुछ अनुभवों से प्रेरित किया गया है।

*** मिस्तर,एस2) 003) "** पार्ट-2 - ग्लोबलाइजेशन एंड आईसीटी: एंप्लॉयमेंट अपॉर्चुनिटीज फॉर वूमेन "- वैश्वीकरण, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी महिलाओं के लिए रोजगार के जो अवसर खुलकर सामने आए हैं, उन विभिन्न क्षेत्रों पर प्रकाश डाला है।

***डी.रीसमैन द लोन्ली क्राउड" (1950)** आज के समय में औद्योगिकरण एवं नगरीकरण, नवाचारों एवं विचारों में प्रौद्योगिकी के कारण व्यवहार के नए ढंग की विकसित हुए है बदलते हुए सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। सामाजिक परिवर्तन की इस पद्धति को हम सूचना क्रांति का नाम देते हैं।"

**शोध समस्या के उद्देश्य-**

1- सूचना प्रौद्योगिकी तक ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की पहुंच का अध्ययन करना।

2- क्या महिलाएं ऐसा मानती हैं कि सूचना प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण को लाभ पहुंचाने वाले एक शक्तिशाली सर्व सुलभ एवं सस्ती प्रणाली है? क्या याद करना भी अध्ययन का एक मूल उद्देश्य है।

3- सूचना प्रौद्योगिकी के साधनं जैसे- कंप्यूटर, इंटरनेट आदि के संबंध में उत्तरदाता जानते हैं कि नहीं इन साधनों के प्रभाव को ज्ञात करना।

4- सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं की जागरूकता, आत्मविश्वास, वयक्तिक पक्षों का अध्ययन करना।

**शोध की उपकल्पनाएं –**

किसी भी प्रकार का शोध कार्य करने से पहले हम कुछ परिकल्पनाएं निश्चित करते हैं ये परिकल्पना सकारात्मक या नकारात्मक हो सकती है प्रस्तावित शोध पत्र में कुछ परिकल्पना एक निश्चित की गई है जो इस प्रकार हैं-

1- नवीन सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों की पर्याप्त पूर्ति करके ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक आर्थिक दशाओं को सुधारा जा सकता है।

2- सूचना प्रौद्योगिकी से ग्रामीण महिलाओं में सामाजिक बदलाव तीव्र गति से हो रहा है।

3- क्या ग्रामीण महिलाओं ने सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के विकास की गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

4- शिक्षित व कार्यशील महिलाएं, अशिक्षित व घरेलू महिलाओं की तुलना में सूचना प्रौद्योगिकी से अधिक प्रभावित होती हैं।

**शोध का महत्व-**

प्रस्तुत शोध सूचना प्रौद्योगिकी का वर्तमान में अपने आप एक नया विषय है अब देश में अनेक क्षेत्रों में विभिन्न प्रांतों पर प्रकाश डाला गया है इसके महत्व को निम्नांकित बिंदुओं से स्पष्ट किया गया है-

- यह सामाजिक व्यवस्था में ग्रामीण महिलाओं को नए रोजगार सृजन करती है।
- सूचना प्रौद्योगिकी प्रशासन और सरकार में पारदर्शिता लाती है इससे भ्रष्टाचार खत्म करने में सहायता मिलती है।
- सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति का प्रयोग योजना बनाने, नीति निर्धारण तथा सामाजिक निर्णय लेने में होता है।

परंपरागत भारतीय सामाजिक व्यवस्था सूचना प्रौद्योगिकी से वंचित थी, अलग अलग रूप से विद्यमान-थी लेकिन वर्तमान भारत में आई सूचना प्रौद्योगिकी संपूर्ण समाज के अनेक पक्षों में क्रांतिकारी परिवर्तन किए समाज की दशा और दिशा में प्रगति एवं विकास के नए पंख लगे और भारतीय समाज के संस्कृति में नवाचार देखने को मिला।

**ग्रामीण महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम-**

ब्रांडबैंड हाईवेजम,बाइल कनेक्टिविटी,पब्लिक इंटरनेट एक्सेस प्रोग्राम, ईक्रांति-, सबके लिए सूचना, सबके लिए जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक्स में आत्मनिर्भरता, रोजगार मूलक सूचना प्रौद्योगिकी, अर्ली हार्वेस्ट प्रोग्राम, सुगम्य भारत ऐप, एग्रीमार्केट एप, लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, भारत ब्रांड नेटवर्क, ई- बस्ता, उमंग एप, ई-पंचायत, राष्ट्रीय कृषि बाजार।

अब इन कार्यक्रमों को महिलाओं की नजर से देखें कि कैसे उनके लिए उम्मीद की किरण जगाता है पहली बात तो हर क्षेत्र में इसकी अनिवार्यता में ही महिलाओं की स्थिति में सुधार देखा जा सकता है यानी जैसे जैसे-यह क्रांति बढ़ेगी, देश के हर हिस्से में पहुंचेगी, आज शहरी महिलाएं डिजिटल बदलाव को लेकर अनभिज्ञ नहीं है छोटे-बड़े शहर की हर

लड़की और महिला किसी न किसी रूप में तकनीक से जुड़ी हैं देशभर में हो रही घटनाओं से वह किसी न किसी माध्यम से अवगत हो रही है लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति अभी उतनी तेज से नहीं बदली है यही वजह है कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का चेहरा खासतौर पर ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में तकनीक का इस्तेमाल करने वाली महिलाएं बनेगी गांव के स्तर पर सरकारी योजनाओं के तहत विभिन्न प्रकार की सेवाएं देने वाली महिलाओं को सरकार अपने इस महत्वाकांक्षी की पहचान बनाना और सूचना प्रौद्योगिकी का ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम से उनके उड़ान में ताकत आएगी सबसे अच्छी बात तो यह दिखाई दे रही है वह है ग्रामीण महिलाओं का कौतूहल से भरा मासूम चेहरा... रोशनी से चमकती आंखें.. जो इसी बहाने मुख्यधारा से जुड़ने का शुभ स्वप्न देख सकेंगीं..... वह सब इस तरह से कर सकेंगीं जो शहर की महिलाएं कर रही हैं... उनका अधिकार भी है.... सूचना प्रौद्योगिकी के नाम पर ही सही... सार्थकता कि कहीं कोई एक बूंद तो झोली में आए.... समंदर इसी से बनेगा।

**अध्ययन क्षेत्र व विषय वस्तु –**

प्रस्तुत शोध में उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद के अनुसार विकासखंड के पांच गांव का चयन कर वहां के रहने वाली ग्रामीण महिलाओं का पर अध्ययन किया गया है पाँच गांवो का चयन दैव निदर्शन पद्धति के द्वारा किया गया है। मसौली विकास खंड से जिन पाँच गाँवों का चयन किया गया है वे है -

1- केसरिक पुरावा
2- भनवापुर
3- तुलसीपुर
4- अंबौर
5- गणेशपुर

उन पाँच गांवों उद्देश्य पूर्ण निदर्शन पद्धति की सहायता से महिलाओं का चयन कर उनसे तथ्य 300संकलित किए गए हैं।

- **प्रकृति**- प्रस्तुत शोध की प्रकृति अन्वेषणात्मक/सर्वेक्षण विधि है।

**तथ्य संकलन की प्रविधियाँ-**

**प्राथमिक स्रोत –**

प्रस्तुत शोध में संकलन की अनेक विधियों में से अनुभवात्मक अध्ययन में साक्षात्कार, अनुसूची व अवलोकन के द्वारा सूचनाएं एकत्रित की गई है। वांछित तथ्यों को प्रदान करने वाले प्रश्नों की एक अनुसूची तैयार की गई है। इस अनुसूची को एक मार्ग निर्देशिका के रूप में अधिक प्रयोग किया गया है व्यवस्थित अनुसूची को लेकर उत्तरदाताओं से समय सुनिश्चित किया गया है प्रदत समय पर उपस्थित होकर एक-एक प्रश्न को पूछकर उत्तर को समय लिखा है सही तथ्यों को प्राप्त करने के लिए अवलोकन और साक्षात्कार का सहारा लिया गया है प्रश्नों का उत्तर लिखने में अनेक हाव-भाव को भी ध्यान में रखा है।

**द्वितीयक स्रोत-**

इसके अंतर्गत पूर्व अध्ययन ,लेख ,समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ , सरकारी प्रतिवेदन, इंटरनेट आदि रही है, जिनसे उपलब्ध समुचित उपयोग किया गया है।

**तथ्यों का संकलन एवं विश्लेषण-**

सूचना प्रौद्योगिकी का ग्रामीण महिलाओं पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों में रेडियो, टेलीविजन, पत्र-पत्रिकाएं, समाचार पत्र आदि सम्मिलित हैं और रेडियो, इंटरनेट, यूट्यूब समाज में परिवर्तन करने में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है ग्रामीण महिलाओं ने कृषि क्षेत्र में आर्थिक अर्थव्यवस्था की सेहत और विकास के लिए महत्वपूर्ण है आत्मनिर्भर प्रणाली वाला कृषि क्षेत्र देशवासियों के लिए खाद्य पोषण सुनिश्चित करता है इंटरनेट पैठ का संभवत सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव ग्रामीण उद्यमिता को प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहन है नई तकनीके ग्रामीण क्षेत्र में अवसर पैदा करें जो पहले कभी नहीं थे। आज एक ग्रामीण महिला उद्यमी ऑनलाइन स्टोर बनाकर उत्पाद को सकती है ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक चुनौतियों को जोड़ने तथा वित्त, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाले महत्वपूर्ण स्तंभों के पहुंच में भी सुधार किया है जो लंबी अवधि में महत्वपूर्ण ग्रामीण आर्थिक उत्पादकता पर प्रभाव। महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाते हैं जिसका प्रभाव महिलाओं पर पड़ा है और रेडियो टेलीविजन, यूट्यूब, इंटरनेट ने महिलाओं की मनोवृत्ति, विचार, आदर्श सोच दृष्टिकोण आदि को परिवर्तित करने में विशेष योगदान दिया है। अखबार एवं पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं न केवल विश्व के समाचारों से अवगत होती हैं बल्कि कृषि जगत के बारे में भी जानकारी प्राप्त करती है इस प्रकार कहा जा सकता है कि सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों से नवीन ज्ञान एवं तथ्यात्मक सूचनाएं प्रदान कर गांव के उत्थान के साथसाथ महिलाओं के विकास - के क्षेत्र में प्रभावशाली योगदान अदा करने के लिए मार्ग प्रशस्त किया है।

**तालिका-1**

| ग्रामीण महिलाओं के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी के बारे में उत्तरदाताओं के विचार- | | |
|---|---|---|
| **महिलाओं पर प्रभाव** | **संख्या** | **प्रतिशत** |
| *महिलाओ का सशक्तिकरण एवं जागरूकता | 93-31 | .00 |
| *महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार | 69 -23 | .00 |
| *महिलाओं की आर्थिक निर्भरता | 60 - | 20.00 |
| *ग्रामीण कृषि उत्पादन में वृद्धि | 36 -12 | .00 |
| *इंटरनेट के माध्यम से कृषि क्षेत्र में जागरूकता | 24 - | 08.00 |
| *अन्य | 18 - | 06.00 |
| ----------**योग** | | |
| 100 **300** | | .00 |

सारणी के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि 31 %उत्तरदाताओं ने स्पष्ट किया कि सूचना प्रौद्योगिकी के कारण महिलाओं का सशक्तिकरण एवं आत्म निर्भरता 23% महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। %20 उत्तरदाताओं की राय में सूचना प्रौद्योगिकी के महिलाओं के आर्थिक निर्भरता में सहायक हुई है। %12ग्रामीण कृषि उत्पादन के स्तर में वृद्धि हुई है। %8 कृषि कार्य में इंटरनेट के माध्यम से जागरूकता और %6 उत्तरदाताओं के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी ने ग्रामीण महिलाओं पर अन्य प्रभाव उत्पन्न किए हैं।

**तालिका2-**

| महिला सशक्तिकरण पर आईके प्रभाव के बारे में विचार .टी .- | | |
|---|---|---|
| **प्रभाव** | **संख्या** | **प्रतिशत** |
| 1- कृषि तकनीकि का डिजिटलीकरण | . 84 - | 28.00 |
| 2- ग्रामीण महिलाओं की वैचारिकी में शैक्षिक परिवर्तन | 42 - | 14.00 |
| 3- कृषि में निरंतर वृद्धि | 36 - | 12.00 |
| 4- ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए योजनाओं का ज्ञान | 03 - | 11.00 |
| 5- ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक वृद्धि | 33 - | 11.00 |
| 6- महिलाओं में कृषि प्रौद्योगिकी के प्रति सकारात्मक सोच | 33 - | 11.00 |
| 7- अन्य। 09 | - | 03.00 |
| ---------- | | |
| **योग**100 **300** | | .00 |

सारणी के आंकड़ों से स्पष्ट होता है %28उत्तरदाताओं का कहना था कि ग्रामीण समाज में नई कृषि तकनीक के इंटरनेट के माध्यम से डिजिटलीकरण हुआ है। %14 उतरदाता के अनुसार ग्रामीण महिलाओं की वैचारिकी में शैक्षिक बदलाव हुए। %12 उत्तरदाताओं के अनुसार कृषि उत्पादन में सकारात्मक एवं निरंतर वृद्धि हुई। %11 उत्तरदाताओं की राय के अनुसार महिलाओं में कृषि प्रणाली की व्यवस्था के प्रति सकारात्मक सोच का विकास हुआ। %11उत्तरदाताओं का कहना है कि ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यवस्थित कार्यक्रम एवं योजना का ज्ञान हुआ। %11 उत्तरदाताओं के अनुसार महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सूचना की वृद्धि हुई। %3 उत्तरदाताओं के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों का ग्रामीण महिलाओं एवं समाज पर अन्य प्रभाव भी पड़ा है।

**निष्कर्ष**

विशाल देश में सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति आज देश की शहरी और ग्रामीण हिस्सों के बीच सेतु बनाने के साथसाथ - ग्रामीण विकास के लिए उत्प्रेरक बन गया है।" भारत विचार शिखर सम्मेलन" में अपने मुख्य भाषण में 'प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी' ने भारत को अवसरों की भूमि की उपमा देते हुए उल्लेख किया कि शहरी लोगों की तुलना में ग्रामीण इंटरनेट उपयोगकर्ता अधिक हैं इस अभियान ने इंटरनेट की पैठ बढ़ई जो अपेक्षाकृत हाल ही में हुआ है जिसके चलते घरों में महिलाओं के लिए अपार लाभ की संभावनाएं पैदा हुई है

डिजिटल प्रौद्योगिकी ने ग्रामीण क्षेत्रों में 'जीवन की गुणवत्ता ' में सुधार की क्षमता प्रदान की है उदाहरण के तौर पर ऑनलाइन बाजारों, भोजन के घर पहुंचने की सुविधा और निरंतर मनोरंजन तक पहुंच ने शहरी और ग्रामीण आबादी के अनुभव के अंतर को कम कर दिया है। फरवरी को 2020 अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार की योजना पंचायत स्तर पर 'कनेक्टिविटी' प्रदान करना है। सरकार ने में 21-2020 1 भारत ने कार्यक्रमके लिए करोड रुपए आवंटित 6000 करने का प्रस्ताव किया था ताकि एक लाख ग्राम पंचायतों को हाइपरलिंक किया जा सके। और यह महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम भी है 'प्रधानमंत्री घर तक फाइबर' स्कीम में शुरू की गई 2020। सूचना प्रौद्योगिकी के तहत कॉमन सर्विस सेंटर ने भारत के लिए ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाने का काम किया। महिलाएं अब निश्चित रूप से मोबाइल रखना चाहती हैं फिलहाल गांव में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सुविधाओं के आने के बाद कई तरह की सुविधाओं को चार चांद लग गए हैं अब गांव में हर जगह जन सूचना-केंद्र एवं 'साइबर कैफे' खुल रहे हैं जहां से गांव के लोग आसानी से अपनी जरूरत के बारे में जान सकते हैं ग्रामीण महिलाएं भी कंप्यूटर एवं इंटरनेट का उचित प्रयोग कर जानकारी प्राप्त कर रही है इससे एक तरफ उनके ज्ञान में वृद्धि हो रही है दूसरी तरफ रोजगार के अवसर मिल रहे हैं साथ ही उनका शैक्षणिक और आर्थिक उन्नति भी हो रही है।

**संदर्भ-**


1- कुरुक्षेत्र, फरवरी 2021 पृष्ठ संख्या (16-25,48)

2- डॉ.मनोहर के सनप "सूचना और संचार की भूमिका" महिला सशक्तिकरण में प्रायोगिक का क्रॉनिकल नोबेल वाडिया इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च आईएसएसएन: 2230-966 खंड- 24-25 फरवरी 2015

3- एम.मुखर्जी मोनादीप 'कुरुक्षेत्र', "सूचना एवं संचार मंत्रालय प्रसारण भारत सरकार" सी.जी.ओ नई दिल्ली, फरवरी 2021 पृष्ठ सं.(36- 44,46)

4- पी.बी. काणे- हिस्ट्री ऑफ धर्मशास्त्र

5- के.स्वाति: 2016 " महिला सशक्तिकरण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका" पृष्ठ संख्या (9,146,151)

6- डॉ निर्मला सिंह व ऋषि गौतम:"ग्रामीण समाज और संचार": बदलते आयाम (kukufm.com)

7- पी.वी..श्री निवास,:(अगस्त (2017, 'कुरुक्षेत्र,' सूचना एवं संचार मंत्रालय भारत सरकार, पृष्ठ संख्या (40,41,(42

8- बालेंदु शर्मा दधीच: (मई 2018), कुरुक्षेत्र "ग्रामीण विकास सूचना एवं संचार तकनीकी का योगदान",पृष्ठ संख्या (21,22,23)

9- Indian Approach to women's Empowerment-Bharat jhun jhun wala

10- Society in India-Ram ahuja, Rawat Publication, New Delhi & Jaipur, Reprinted 2004

11- अजीत कुमार सिंह (2008)," नए आयामों के लिए महिला सशक्तिकरण," दीप और दीप प्रकाशन, नई दिल्ली